ISSN 2277-5587
Impact Factor 5.025
Indexed in ULRICH, ISIFI, SJIF & DOJI
UGC Valid Journal (The Gazette of India, Extraordinary Part III, Section 4, Dated July 18, 2018)

Shodh Shree

(A Peer Reviewed International Refereed Journal)

शोध श्री

Issue - 1 January-March 2021 RNI No. RAJHIN/2011/40531

shodhshree@gmail.com
www.shodhshree.com

CHIEF EDITOR
Virendra Sharma

EDITOR
Dr. Ravindra Tailor

प्रो. एस. पी. व्यास के जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान, जोधपुर के चैयरमेन बनने पर बधाई देते डॉ. रविन्द्र टेलर (सम्पादक) एवं श्री वीरेन्द्र शर्मा (प्रधान सम्पादक)

प्रिन्टेड मैटर

If undelivered please return to :

शोध श्री (त्रैमासिक)

54-ए, जवाहर नगर कॉलोनी

टोंक रोड, जयपुर-302018

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रधान सम्पादक – वीरेन्द्र शर्मा के लिए मुद्रित व 54–ए, जवाहर नगर कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर–302018 मो. 9460124401

15. जनसंचार के सशक्त माध्यम के रूप में रेडियो का बदलता स्वरूप — 71-77
हर्षवर्द्धन पाण्डे, नैनीताल (उत्तराखण्ड)

16. दलित साहित्य एवं दलित साहित्य के प्रेरणा स्त्रोत — 78-85
डॉ. खेतपाल, जैसलमेर

17. कोविड-19 : ए बायोलॉजिक्ल वार ऑफ ड्रैगन — 86-90
प्रमिला देवी, सरसी दादरी (हरियाणा)

18. राष्ट्र अभिमानी नर्तकी बून्दी की नन्ही बाई — 91-95
विभा श्रृंगी एवं डॉ पुनीता श्रीवास्तव, कोटा

19. सरदार पटेल का राष्ट्रवाद मुस्लिम विरोध बनाम धर्मनिरपेक्षता — 96-102
सूर्य प्रकाश शर्मा, कालाडेरा

20. बिना दीवारों का घर नाटक में 'सुपर हगो' — 103-107
शैलजा दुर्गेश्वर, बीकानेर

21. महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा और नई शिक्षा नीति 2020 : एक तुलनात्मक अध्ययन — 108-113
अंकिता कमल पुरोहित, वर्धा (महाराष्ट्र)

22. पर्यावरण समस्याओं के समाधान में पंचमहाव्रत का महत्त्व — 114-119
नीतू कुमारी, जयपुर

23. ग्रामीण स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की भूमिका : 73वें एवम् 74वें संविधान संशोधन के विशेष सन्दर्भ में — 120-123
रेणुका चौधरी, जोधपुर

24. साहित्य और कला-जगत में महिलाओं का योगदान — 124-127
डॉ. रश्मि सी. मालागी, धारवाड़ (कर्नाटक)

25. Hasan Nizami's Description of The Establishment of Turkish Rule in Ajmer and some other parts of Rajputana — 128-134
Prof. Jigar Mohammed, Jammu (Jammu & Kashmir)

26. Glimpses of Feminist Readings in the Therigatha — 135-143
Dr. Jagriti Upadhyaya, Jodhpur

27. Spiritual Legacy of Banaras with reference to Tourism Industry — 144-151
Dr. Persis Latika Dass & Akshita Maheshwari, Ajmer

28. Environmental Pollution — 152-155
Dr. Rajani Sharma, Kishangarh

29. Vulnerable Groups in India - Status, Schemes, Constitution of India — 156-162
Dr. Rajesh Kumar Chouhan, Bundi

30. Effect of Demographic Factors on Brand Loyalty and Customer Satisfaction - A Study based on Rajasthan's College Going Students using Mobile Phones — 163-169
Dr. Vinod Kumar Dave, Jodhpur

31. Defamation of Internet or Media — 170-175
Anand Vardhan Agrawal, Alwar

कोविड-19 : ए बायोलॉजिक्ल वार ऑफ ड्रैगन

प्रमिला देवी
सहायक प्रोफेसर, जे.वी.एम.जी.आर.आर. कॉलेज, चरखी दादरी (हरियाणा)

shodhshree@gmail.com

शोध सारांश

कोरोना काल में जीवन की हर गतिविधि प्रभावित रही है। कोरोना संकट एक खतरनाक जीवाणु कोविड-19 की देन बताया जा रहा है। विश्व भर के बड़े-बड़े देश अपने अनुभवी डॉक्टरों व स्वास्थ्य विभागों के साथ इसका इलाज ढूँढने में लगा हुआ है लेकिन असफल है। रोकथाम के तरीकों से ही काम चलाया जा रहा है। कुछ जानकार व विश्व के जाने-माने लोगों की बात मानें तो उनका इशारा चीन की तरफ था क्योंकि यह बीमारी चीन के वुहान शहर से 30 दिसम्बर, 2019 को शुरू हुई थी। रक्षा विशेषज्ञों की माने तो वे चीन की साम्राज्य वाद की नीति को देखकर कोविड-19 को चीन की साजिश बता रहे हैं। इसी बात को देखते हुए कुछ प्रश्न जहन में उठना स्वाभाविक है - क्या कोविड-19 ड्रैगन की तरफ से कोई जैविक लड़ाई तो नहीं है? क्या वह अपनी साम्राज्यवाद की नीति में इतना स्वार्थी हो गया है कि उसे जैविक हथियार का सहारा लेना पड़ा है? इन सवालों के जवाब के लिए हमें एक बार चीन के साथ अन्य सभी देशों के साथ सम्बन्धों की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि पर जाना पड़ेगा।

संकेताक्षर : *बायोलॉजिकल, साम्राज्यवाद, मुद्दा, व्यापारिक हित, संकट, गुप्त हथियार।*

सर्वप्रथम हम भारत के साथ चीन सम्बन्धों की कुछ ऐतिहासिक मुद्दों पर बात करेंगे उसके बाद बाकी देशों के साथ रहे सम्बन्धों का जायजा लगा सकते हैं। भारत और चीन के मध्य वर्षों पुराना संबंध है। ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक के प्रयासों से चीन बौद्ध धर्म का अनुयायी बन गया। दोनों देशों के विद्वान एक दूसरे देश में आते जाते रहे हैं। भारत और चीन के मध्य सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध था। इन संबंधों के अतिरिक्त राजनयिक संबंधों का उल्लेख भी इतिहास में मिलता है। सम्राट हर्षवर्धन तथा कश्मीर के राजाओं ने दोनों सम्राट के दरबार मे दूत भेजे थे तथा चीन से दूत इन दरबारो में भी भेजे गए। मध्य युग में विदेशी आक्रमणों के फलस्वरूप भारत और चीन का संबंध टूट गया। उन्नीसवीं शताब्दी में भारत पर अंग्रेजों का आधिपत्य स्थापित होने के बाद अंग्रेजों ने तथा अन्य यूरोपीय राज्यों ने चीन में घुसपैठ आरंभ कर दिया। चीन को राजनीतिक और सामरिक कमजोरी का लाभ उठते हुए कई असमान संधियाँ लादी गई, चीन का व्यापक शोषण किया गया। ब्रिटिश सरकार के द्वारा भारतीय सेनाओं का प्रयोग चीन के विरुद्ध किया गया। भारत ने इसका तीव्र विरोध किया। दासता के युग में भारत और चीन के मध्य संबंध पुनः बढ़ने लगे। 1923 में प्रसिद्ध कवि रवीन्द्र नाथ टैगोर ने चीन की यात्रा की। 1927 में विश्व के पददलित राष्ट्रों के ब्रूसेल्स सम्मेलन के अवसर पर पंडित नेहरू का सम्पर्क चीनी नेताओं से हुआ। पंडित नेहरू ने अंग्रेजों द्वारा चीन के दमन तथा चीन के विरुद्ध भारतीय सेना के प्रयोग का तीव्र विरोध किया। चीनी तथा भारतीय नेताओं ने संयुक्त विज्ञप्ति निकाली जिसमें कहा गया कि पश्चिमी साम्राज्यवाद से एशिया की मुक्ति के लिए भारत और चीन का सहयोग आवश्यक है। 1931 में जब जापान ने मंचूरिया पर आक्रमण किया, भारत ने चीन के प्रति पूरी सहानुभूति प्रदर्शित की तथा "चीन दिवस" (China Day) मान कर, जापानी वस्तुओं का बहिष्कार किया। चीन पर जापान के आक्रमण की कटु निन्दा भारत ने की। 1939 में पंडित नेहरू ने चीन की सद्भावना यात्रा की। द्वितीय महायुद्ध के दौरान चीनी नेता च्यांग-काई-शेक सपत्नीक भारत आए तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन किया तथा ब्रिटिश प्रधानमंत्री श्री चर्चिल को पत्र लिखकर भारतीय स्वतंत्रता के संबंध में कार्यवाही करने का अनुरोध किया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति से भी आग्रह किया था कि इस दिशा में वह अपने

ISSN 2277-5587